सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, जनवरी-फरवरी 2021

पवित्रात्मा और तुम्हारे जीवन में आग

'मैं तो तुम्हें पानी से मन-फिराव के लिए बपतिस्मा देता हूँ, परन्तु जो मेरे पश्चात्त आ रहा है - वह मुझ से इतना अधिक सामर्थी है कि मैं उसकी जूती भी उठाने के योग्य नहीं हूँ - वह स्वयं तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।' (मत्ती 3:11)

यहाँ यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मन-फिराव के बारे में बात कर रहा है। पश्चाताप मसीही जीवन का आरंभ है। मगर जब हम आगे बढ़ते है, अपने अंदर हम कूड़ा करकट पाते है। जिन मूर्तियों को हमने स्थान दिया था वे हमारे अंदर काफी मलिनता छोड़ जाती हैं।

'तब मैं तुम पर शुद्ध जल छिडकूंगा और तुम शुद्ध हो जाओगे, मैं तुम्हें तुम्हारी सारी अशुद्धता और मूर्तियों से शुद्ध करूँगा। (यहेजकेल 36:25) इस अशुद्धता से धुल जाना हमारे लिए जरूरी है। परमेश्वर ने इसका इन्तजाम भी कर रखा है। यीशु आपको पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देंगे।

जब यशायाह को परमेश्वर के आमने-सामने लाया गया, उन्होंने अपने आप को

.....पवित्रात्मा.. पृष्ठ 2 पर

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

TV - Star Utsav

चैनल पर

हर **रविवारसुबह 7:30 से 8:00** बजे

यीशु आपके बिखरे जीवन को पुनः संवार सकते हैं

"हे यहोवा हम को अपनी ओर फेर ला, कि हम फिर संगठित हो जायें, जैसे हम प्राचीन समयों में थे वैसा ही हमको फिर कर दे।" (विलापगीत 5:21)

कई खतरों के सिग्नल बड़े साफ दिखाई पड़ते हैं। शारीरिक ह्रास के चिन्हों को देखकर हम तत्काल कदम उठाते हैं और सलाह और उपचार के लिये किसी भरोसेमंद डाक्टर के पास जाते हैं। जिन चिन्हों का मतलब दिल का दौरा पड़ने की संभावना हो सकती है उन खतरे के चिन्हों को दिखने पर हम उदासीन नहीं रहते। यह बात आसानी से मैं समझ नही पाता कि कैसे समझदार लोग अपने चारों ओर के लोगों और उनके परिवारों के नैतिक पतन को देखकर भी उदासीन रहते हैं।

यर्मियाह जो इस्राएल के पाप को देखकर ही नहीं बल्कि उनकी गहरी आत्मिकता की गिरावट और नैतिक पतन को देखकर रोया। और उन्हें परमेश्वर के शीघ्र आनेवाले दंड के बारे में चेतावनी देता था। क्या इस्राएल ने समय पर दी गई चेतावनी पर गौर करके, अपने पापों से पश्चाताप किया, क्या उन्होंने अपने आप को और अपने बच्चों को असंख्य बिमारियों और कष्टों से बचाया?

मैंने इस बात को पाया कि जब लोग भारी गलती कर परमेश्वर को बहुत दुख पहुँचाते है तो, वे अपनी गिरी हुई स्थिति को देखने और पहचानने में असमर्थ हो जाते थे और उनपर गहन अंधकार छा जाता था।

इस आत्मिक अंधकार का दौर काफी लम्बा चलता रहा। इससे पहले कि वे सजग हो पाते उन्हें और उनके परिवार को नुकसान पहुँच चुका होता था। ऐसा नुकसान कि परिवार का सर्वनाश हो जाता है। उनकी क्षति पूर्ति नहीं हो पाती और बच्चे बर्बाद हो जाते हैं। लगातार अनाज्ञाकारिता के कारण, कष्ट और हानि पीढ़ियों तक बनी रहती है। हमारी अनाज्ञाकारिता की छाप साफ-साफ हमारे वंशजों पर दिखाई पड़ती है।

जब हमारे जवानी के पापों का फल और अनाज्ञाकारिता का प्रभाव बाद के सालों में असर डालता है, तब हमें पवित्रता के मार्ग से मुड़ जाने की गलती के लिए बड़ी गहराई से पश्चाताप करना चाहिये और प्रभु को खोजना चाहिये। हमें मसीह यीशु से सच्चे टूटेपन के साथ क्षमा माँगने की ज़रूरत है।

यर्मियाह विलाप करता है, "जैसे हम प्राचीन समयों में थे वैसा ही हमको फिर कर दे।" यहाँ केवल एक विरह का उल्लेख नहीं है, "अच्छे पुराने दिन।" कभी-कभी यह उक्ति बहुत ही पथभ्रष्ट कर देती है। इन दिनों में ज्ञान बहुत बढ़ गया है। इसलिये हमारे चारों ओर बहुत तेजी से परिवर्त्तन आ रहे हैं। कूड़े कर्कट के साथ अंधविश्वासी प्रथाओं की गलाघोंटू पकड़ अब टूटती जा रही है। जो लोग परमेश्वर के नियमों को और अपने परिवार को आसानी से तोड़ डालते हैं उनके लिये विवाह का पवित्र बंधन अब महत्वहीन होता जा रहा है।

जीवन की तेज दौड़ में बीस से तीस वर्ष तक की उम्र बड़ी जल्दी बीत जाती है। जब तक नौजवान जीवन के दूसरे दशक में अपनी कल्पनाओं की दौड में तीसरे दशक तक पहुँचते हैं तो अपने आप को थका-हारा, निराश, निस्सहाय, टूटा और धुंधलाहट में पाते हैं। इसके साथ-साथ, उनमें से कुछ कड़ुवाहट से भर, निराश हो जाते हैं। वे सरलता से अपने लड़कपन के सालों और उदण्डता से भरे सालों को भुला देना चाहते हैं।

यर्मियाह जानता था कि परमेश्वर ने अपने बच्चों से प्रतिज्ञा की है, "यहोवा तुझ को पूंछ नहीं, सिर ही बनाएगा, तू नीचे नहीं, ऊपर ही रहेगा – यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा की उन आज्ञाओं को जिनका आदेश मैं आज दे रहा हूँ सुनकर ध्यान से उनका पालन करे।" (व्यवस्थाविवरण 28:13) आगे अचूक तरीके से परमेश्वर ने अपने बच्चों को मिस्र की गुलामी से निकाला, लाल समुद्र को पार करवाया और रेगिस्तान के बीच में जहाँ कुछ भी नहीं उपजाता था, संभाला। यर्मियाह ने अपने विवेक से इस तरह लिखा। उसके लिये यह प्रार्थना बड़ी स्वाभाविक थी, "यहोवा हमारे पास लौट आईये, परमेश्वर हमें फिर से नया बनाईये।"

परमेश्वर के हरेक बच्चे को सच्चे तौर पर आत्मिक जीवन में फिर से नया बनना जरूरी है। हर चर्च और हमारी तरह सहभागिता में भी आत्मिकता में पुनः नया बनना जरूरी है। प्रभु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य राई के दाने के समान है। राई का बीज, क्या ही नगण्य और छोटा सा बीज है! पर जब उसमें जीवन आता है तब वह बढ़ता है। तब चिड़ियाँ अपना घोंसला उसकी डालियों पर बनाती हैं। सो नया जीवन एक दीन और टूटे हुए हृदय में ही बढ़ता है।

जब नये जीवन का आरम्भ होता है, महत्वपूर्ण चीजों का आरंभ होने लगता है। जहाँ जीवन नीरस, दर्दमय और उजाड था वहाँ नयी ताकत और अनुग्रह का संचार होने लगाता है। कितने लोगों ने आत्महत्या कर अपने जीवन का अंत करने की योजनाओं को बनाया। उनकी उदासी और अंधकार के बीच अचानक प्रभु यीशु उन्हे मिले और उनका जीवन पूरी तरह से बदल गया। और ऐसा बदलाव कि उसी पुराने व्यक्ति को लोग पहचान नहीं पाते।

यह अंधकार की शक्तियां हैं जो आपसे कहती हैं, "अब खत्म हो जाओ, एक छलांग, एक कूद, एक घूंट जहर और सब कुछ खत्म हो जायेगा। आपकी सभी मुश्किलें खत्म हो जायेंगी।" नहीं यह सच नहीं है। सच्ची विपत्ति नरक से शुरू होती है। जहाँ कीड़े कभी मरते नहीं और न कभी आग बुझती है। आत्महत्या करना एक भयानक पाप है। परमेश्वर कहते हैं, "तू हत्या न करना," मृत्यु किसी भी विपत्ति का समाधान नहीं है बल्कि यह आपके चारों ओर के लोगों के लिये पीड़ा और दुख लाती है।

आईये हम सकारात्मक बने। हम परमेश्वर को मौका दें। जब आप बाइबल का अध्ययन करते हैं, आप अपनी ज़रूरत को जीवित और प्रेमी परमेश्वर को सौंप दें। जो आपकी उदासीनता को दूर करना शुरु करते हैं। उद्धारकर्त्ता (प्रभु यीशु मसीह) पर पूरा भरोसा रखें जो आपकी देखभाल करता है। वह आपके निश्चल दिल को दया से भरना शुरू करते है।

क्या आपने अपनी सेहत खो दी है? प्रभु यीशु से मांगिये कि वे उसे वापस दें। मुझे अपने लड़कपन के दिनों में एक डाक्टर की अच्छी तरह याद है। उस डॉक्टर को हमारे घर पर एक टैक्सी में लाया गया। उनकी उदास पत्नी टैक्सी ड्राईवर की मदद से अपने पक्षाघात(लकवे) से पीड़ित पति को घर के अन्दर लायी। मेरे पिता ने उनके लिये प्रार्थना की। कुछ दिनों बाद वही व्यक्ति बिना किसी का सहारा लिये हमारे घर से वापस गया। परमेश्वर से कहें कि वे आपके स्वास्थ्य को फिर से दें।

आज बहुत से लोग हैं जिनकी दिमागी नसें कमजोर हैं। मैंने उनसे कहा, "यीशु से कहें कि वे आपको नयी और मजबूत स्नायु प्रदान करें।" जहाँ प्रेम नहीं है, जहाँ नकारात्मक बातें और कडुवाहट अधिक है। वहाँ जल्द ही तनाव पैदा होने का पर्याप्त मौका है। प्रेम ही चंगा करने वाला है।

हमारा परमेश्वर नयी शुरुआत देने वाला परमेश्वर है। वह नवीनीकरण और जागृति लाने वाला परमेश्वर है। जब कोई एक पुरानी कार को कई सालों के इस्तेमाल के बाद कबाड़ में बेच देता है। कोई उसकी मरम्मत करने की कोशिश नहीं करता। मानो आपका जीवन भी मरम्मत न होने के जैसा दिखाई पड़ता हो क्योंकि आपने अपने जीवन को बहुत बर्बाद किया और नष्ट किया है पर यीशु आपको पूरी तरह नया बना सकते हैं। यही वजह है कि यह अनोखा शब्द उनके लिये इस्तेमाल होता है। वह सच्चा उद्धारकर्त्ता है। आईये हम अपने घमंड को मौका न दें ताकि इस नये वर्ष में हमारी उन्नति में हमारा घमंड बाधक न बने।

-जोशुआ दानियेल

.... पवित्रात्मा... पृष्ठ 1 से

बहुत अयोग्य पाया। तब वह पुकार उठा कि वह एक अशुद्ध होंठवाला मनुष्य है। उसे शुद्ध किये जाने की जरूरत थी। और परमेश्वर ने अपने भव्य सिंहासन के सामने स्थित वेदी पर से अंगारा ले उसे शुद्ध किया था।

अपने मुंह से शाश्वत वचन बोलने के लिए हमारे होंठ योग्य नहीं हैं। ऐसी मलिनता से हमें शुद्ध करने के लिए परमेश्वर समर्थ है।

मन-फिराव के समय आपको लगता है कि आप एक आशाहीन पापी हो। मन-फिराव के बाद, दुबारा आप ऐसा महसूस करोगे, जब परमेश्वर की उपस्थिति और उनका वचन, आपके अंदर जमे कूड़े करकट को आप के सामने अनावृत करे, तो आप दुबारा निर्भीक महसूस करोगे। क्या हम परमेश्वर के वचन का प्रचार करने योग्य है? नहीं, हम में बहुत कूड़ा करकट है। मगर उससे शुद्ध करने का, परमेश्वर ने प्रबन्ध किया है। जब पवित्र आत्मा और पवित्र आत्मा की आग हम में प्रवेश करती है, तो वह सारी अशुद्धता दूर हो जाती है।

मगर केवल एक ही बार ऐसा अनुभव काफी नहीं है। जब कोई वैवाहिक जिम्मेवारी

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books, Lal Building, Goa Street, Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

में प्रवेश करता है तो उसे और बढ़कर आग से शुद्ध किये जाने की अवश्यकता है। फिर जब उसके बच्चे पैदा होते हैं तो फिर उस आग का एक और स्पर्श जरूरी है। यह विनम्र भाव हम में बना रहे और वह अपना कार्य हम में करता रहे। हम एकाग्र बने रहे। यीशु ने पतरस से गहरे जल में प्रवेश करके प्रयास करने के लिए कहा। अध्यात्मिक जीवन में हमें भी गहराई में जाकर तब दाहिने ओर जाल डालना है। इसका अर्थ यही कि परमेश्वर की जहाँ इच्छा हो, वहाँ हम अपना जाल डालें। परमेश्वर यह देख रहे है कि एक उच्च स्तरीय जीवन जीने की क्या हम में आशा है। - जो यीशु का जीवन है!

लगता है कि यशायाह और एलिय्याह में ऐसी इच्छा है जो पूरी भी हुई। परमेश्वर ने उनकी इच्छा पूरी की। एक गहरे अध्यात्मिक जीवन से आशीषित करने के लिए, परमेश्वर हमारी व्यक्तिगत श्रद्धा और समर्पण को बहुत ध्यान से देख रहे हैं।

- एन. दानिएल।

प्रार्थनाओं के जवाब की कहानियाँ

"और संकट के दिन मुझे पुकार: मैं तुझे छुड़ाऊंगा, और तू मेरी महिमा करने पाएगा।" (भजन संहिता 50:15)।

1908 की गर्मी के दिनों में, चीन गई एक ईसाई मिशनरी, रोज़ालिंड गोफ़ोर्थ को अपने पांच बच्चों के साथ कनाडा वापस घर लौटना पड़ा। 'हाओ आई नो गॉड आन्सर्स प्रेयर्स,' उनके जीवन की कहानियों का एक संग्रह है जो उन्होंने लिखा था। उन्होंने उस में उन छुट्टियों के वृत्तांतों को बाँटा है।

"टोरंटो पहुँचते, मुझे पता चला कि मेरा बड़ा बेटा आमवाती बुखार (रूमाटिक फीवर) के बार-बार होने वाले हमलों से मौत के दरवाजे पर था। ...मुझे उस समय की याद आई जब वह हमें, मृत्यु के द्वार से उसे वापस दे दिया गया था। मेरा विश्वास दृढ़ हो गया, यह विश्वास करने के लिए कि वह फिर ठीक हो जायेगा। जैसा कि मैंने प्रार्थना की, यह साफ स्पष्ट हो गया कि मेरी माँगों का जवाब खुद पर निर्भर था... मुझे खुद को और अपनी इच्छा को, परमेश्वर के हाथों में सौंपना है।

मैं उस फरलो (छुट्टियों) के दौरान मैंने योजना बनाई थी कि कोई सभाएँ नहीं करूँगी। पूरी तरह से अपने बच्चों पर ध्यान देना चाह रही थी। मैंने अपने जीवन की योजना को खुद बनाने के पाप को स्वीकार किया। और निश्चित रूप से प्रभु के साथ वाचा की थी कि यदि वह मेरे बेटे को उनकी सेवा के लिए खड़ा करेंगे, तो मैं सभायें संभाल लूंगी। या कुछ भी करूंगी, जैसे कि वह बच्चों की देखभाल के लिए रास्ता खोलेंगे।

हालांकि छः मुश्किल दरवाजे हैं, जिन्हें खोलना जरूरी है... इससे पहले कि मैं संभवतः बाहर जा सकती हूं; मसीह और चीन के लिए बोल सकती हूं, जैसा कि परमेश्वर चाह रहे हैं। सबसे पहले, प्रभु को, मेरे बेटे के पूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहाल करने की आवश्यकता होगी। क्योंकि मैं एक बीमार बच्चे को छोड़ना, कभी भी उचित नहीं समझ सकती। दूसरा, उसे मेरे अपने स्वास्थ्य को बहाल करने की जरूरत है, क्योंकि मुझे एक ऑपरेशन के लिए अस्पताल जाने का आदेश दिया गया था। तीसरा, उसे अन्य सभी बच्चों को अच्छी तरह से रखना होगा। चौथा, एक नौकर को घर की देखभाल के लिए भेजा जाना चाहिए — हालाँकि मेरी आय बहुत कम थी। ... पांचवा, एक ईसाई महिला को बच्चों की देखभाल करने के लिए तैयार होने की आवश्यकता है, और घर से मेरी अनुपस्थिति में, उसे मेरे घर के सहायक के रूप में कार्य करना होगा। छठा, मेरे घर छोड़ने से होने वाले अतिरिक्त खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धनराशि भेजनी होगी।

फिर भी, जैसे ही मैंने प्रभु के सामने इन कठिनाइयों को रखा, मुझे निश्चित आश्वासन मिला कि वह रास्ता खोल देगा।

मेरे बेटे को एक स्ट्रेचर पर टोरंटो वापस लाया गया। डॉक्टर ने उसे अपना सिर उठाने से मना किया था। लेकिन लौटने पर, उसने उन आदेशों का पालन नहीं किया। उसने यह ऐलान किया कि वह इतना अच्छा महसूस कर रहा है, वह निश्चल नहीं रह सकता था और अभी से चुपचाप लेटा नहीं रह पायेगा। डॉक्टर के आदेशों का न पालन करने के परिणामों से डर कर, मैंने एक बार आने के लिए, उन को फोन किया। घर आने पर डॉक्टर ने बालक की पूरी तरह से जाँच की और फिर कहा: "ठीक है, मैं ये समझ नहीं पा रहा हूँ; मैं बस इतना ही कह सकता हूँ, कि वह जैसा चाहे वैसा कर सकता है।"

एक महीने के भीतर लड़का अपने उच्च विद्यालय में वापस जा रहा था, जाहिर तौर पर वह काफी अच्छी तरह से ठीक हो गया था। ...

अपनी बात, मैं अस्पताल नहीं गई थी; उन सभी लक्षणों के लिए जिन्हें इसकी आवश्यकता महसूस हुई थी, वो सब लक्षण चले गए थे, और मैं पूरी तरह से ठीक हो गई। एक सेवक को मेरे पास भेजा गया जिसने अपना काम सहानुभूतिपूर्वक किया, जिससे मुझे प्रभु के कार्य करने में मदद मिली। पास में रहने वाली एक विवाहित भतीजी ने जब भी मुझे बाहर जाने की आवश्यकता होती , मेरी अनुपस्थिति में घर में रहने के लिए राज़ी हुई।

और इसलिए अब एक ही शर्त अधूरी रह गई- पैसा। लेकिन मुझे विश्वास था कि जैसे ही मैं आगे बढ़ूंगी, वो भी मिल जायेंगे; और वैसा ही हुआ। बाद के प्रत्येक महीने में, जैसे मैंने अपने खातों को बनाया, मैंने पाया कि मेरी रसीदें, मेरे खर्चों से अधिक हैं। चीन में काम करने के लिए और चीन भेजनेवाली चीजों को खरीदने के लिए आवश्यक पैसे पर्याप्त रूप से मेरे पास बचते थे।

... दिन, सप्ताह और महीने बीत गए, और सब ठीक से गुज़रा, और मैंने भरोसा करना सीखा।

"शान्त रहो; आज मजबूत बनो।"
मगर प्रभु कल क्या हो?
कल की क्या बात प्रभु?
मेहनत से क्या मिले आराम,
और दुख से मिले क्या प्रभु विश्राम?
"मैं तुम्हारे लिए मरा नहीं क्या?
मैं तुम्हारे लिए जिया नहीं क्या?
कल को, मुझे पर छोड़ दो।"

यदि मैं आराम या स्वभोग का जीवन जीती, तो मुझे इस तरह के मामलों में ईश्वर से अपेक्षा रखना उचित नहीं ठहराया जा सकता था जैसे कि यहाँ दर्ज हैं। यह याद रखना चाहिए कि मैंने एक ऐसे जीवन में

कदम रखा था, जिसका मतलब हर चीज के लिए उन्हीं पर भरोसा करना।"

एक और वृत्तांत नीचे है।

"मुझे लगता है कि प्रभु ने देखा कि मैंने उसके लिए सब कुछ छोड़ दिया है। इसलिए वह कैसे इन्तज़ाम कर सकता है उसका सिर्फ नमूना रूप यह दिखाया। मेरे बच्चों के लिए उनके प्यार और देखभाल का यह एक सबूत है। हम ने फलों के मौसम के अंत में साफ-सफाई की योजना की थी, और इसलिए मैं सर्दियों के उपयोग के लिए फलों का मुरब्बा नहीं बना पाई। उस सर्दी के दौरान, सबसे अच्छे फलों के कुल सत्तर मर्तबान हमें भेजे गए थे। मैं इनमें से सिर्फ एक उपहार का विवरण दूंगी।

दस दिनों के लिए घर छोड़ने के कुछ समय पहले, नौकर ने मुझे सूचित किया कि डिब्बाबंद फल समाप्त हो गया था। तदनुसार मैं नीचे चली गई और जब तक मैं वापस नहीं आऊँ, तब तक पर्याप्त सूखे फल मंगवाए थे। घर पहुंचने पर, मेरे बच्चों ने होड़ लगाकर दरवाजे पर मेरा स्वागत किया। सभी एक साथ यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि एक प्यारा सा वेलेंटाइन उपहार अभी आया है। मुझे वापस रसोई में ले जाते हुए, उन्होंने मुझे सबसे स्वादिष्ट दिखने वाले फल के बीस मर्तबान और मेपल सिरप की एक बड़ी कैन के साथ सजी मेज दिखाई। उपहार के साथ लगे हुए एक कार्ड पर लिखा था: ' रेनफ्री की बहनों की तरफ से, हमारी प्रिय बहन के लिए जो "चीन में हमारी जगह गई" के लिए एक वेलेंटाइन उपहार।'"

- "रोजालिंड गोफ़ोर्थ- हौव ऐ नो गॉड़ आन्सर्स प्रेयर्स(1921)" से चुनीहुई।

क्लैनमैन गैंग से ईसाई बनने तक

1950 और 1960 के दशक के अमेरिकन गहरे दक्षिण में थॉमस ए. टारेन्ट्स III का मोबाइल, अलबामा में पालन-पोषण किया गया था। वह बचपन में नियमित रूप से चर्च जाता था, लेकिन उसने जो शिक्षाएँ सुनीं, उनको समझने की कोशिश नहीं की। 13 साल की उम्र तक, उसने बाइबल के बारे में काफी कुछ जान लिया था कि उसे पता था नरक नाम की कोई जगह है - और वह वहाँ नहीं जाना चाहता था। कुछ हद तक प्रेरित होकर, उन्होंने ईसाई धर्म को स्वीकारते बपतिस्मा लिया। लेकिन यीशु मसीह में कोई आध्यात्मिक पुनः:जन्म, कोई नया जीवन नहीं पाया था। वास्तव में, उसका जीवन और बिगड़ता गया।

जब टारेनट्स एक हाई स्कूल के छात्र थे, नागरिक अधिकार आंदोलन गति पकड़ रहा था। वह इस बारे में बहुत क्रोधित हो गया और उसका विरोध किया। जो समान विचारधारा वाले थे उनके साथ मिल गया। दूर से ही विचारधारा, जातिवाद, और यहूदी-विरोधी भावनाओं के साथ वह तेजी से शिक्षित हो रहा था। यह सोचकर कि वे अमेरिका को नष्ट कर रहे हैं उसका गुस्सा उन लोगों के प्रति बढ़ गया, जो संवैधानिक सरकार और सफेद वर्चस्व हित को उखाड़ फेंकने की कोशिश कर रहे हैं।

विचारों के परिणाम होते हैं। गलती को सोख लेने का बहुत हानिकारक परिणाम हैं। उस सभी घृणा को समेट लेना, एक दिल बदलाव (हार्ट ट्रांसप्लांट) होने जैसा था - यद्यपि घृणा, क्रोध, और नस्लवाद से भरा दिल प्राप्त करना, जो उसके सारे अंगों को जहर से भर दे। जैसे यीशु मसीह ने सिखाया था, "आप फल द्वारा पेड़ को पहचान जाएंगे" - और टारेनट्स की नफरत, जो उससे अलग थे उन लोगों के प्रति हिंसा के रूप में प्रकट होने लगी। यह उसे अलबामा छोड़ने, मिसिसिपी राज्य को जाने तक ले आया। और कू क्लक्स क्लान के व्हाइट नाइट्स नामक एक समूह के साथ वह शामिल हो गया। 'व्हाइट नाइट्स' ,जो एफ.बी.आई के अनुसार, उस समय अमेरिका में सबसे हिंसक दक्षिणपंथी आतंकवादी संगठन था।

टारेनट्स की सगाई एक युवा महिला स्कूल शिक्षिका के साथ होनी थी। मगर यह रिश्ता एक रात अचानक टूट गया। वह युवती भी आतंकवादी दल का हिस्सा थी। वे दोनों मिलकर मिसिसिपी नगर के मेरिडियन में एक यहूदी व्यापारी के घर पर बम लगाने के लिए गए। इस व्यवसायी का एकमात्र अपराध, नागरिक अधिकारों के लिए और मिसिसिपी में क्लान गैंग की हिंसा के खिलाफ बोलना था। हालांकि, एफ.बी.आई इस योजना से अवगत हो गया था, और स्थानीय पुलिस के साथ काम करते हुए, छब्बीस आदमी भारी हथियारों से लैस काले कपड़े पहने उनके इंतजार में, छिपे हुए थे।

आधी रात करीब 1 बजे दोनों साथी बम पहुंचाने के लिए गए। जैसे टारेनट्स पूर्वनिर्धारित स्थान पर गत्ते के डिब्बे से बम को निकाल रहा था, अचानक बाहर गोली चलने लगी और बम उसके हाथ से वहीं कंक्रीट सड़क पर गिर गया। उसका विस्फोट होना चाहिए था - लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह पहला चमत्कार था। उसके साथी ने उन्हें कार में वापस जाने में मदद की और वे गोलियों की बौछार से बच गया - लेकिन, राइफल फायरिंग के दौरान, वह साथी मारी गयी और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। एक पुलिस कार ने तेजी से उसका पीछा किया, गोली लगने के कारण उसके गाड़ी के टायर फट गए और टारेनट्स रुक गया। वह बाहर निकल कर गोली चलाने लगा; एक अधिकारी ने सीने में तीन राउंड गोली लगी, जिसमें से एक गोली दिल के पार चली गयी थी। मगर एक और चमत्कार हुआ, उस अधिकारी की मृत्यु नहीं हुई। टारेनट्स, अपने हिस्से में, उस ने भी गोली खाई। अगर एम्ब्युलेंस नहीं आई होती तो वह मर जाता। और हो सकता था कि उसका जीवन वहीं समाप्त हो गया होता। उसे अस्पताल ले जाया गया, उसे बताया गया कि यदि वह पैंतालीस मिनट जीवित रहेगा तो वह एक चमत्कार होगा। ऐसा हुआ; परमेश्वर ने उसकी जान बचाई। "जाहिर है कि मैं जीने लायक नहीं था - लेकिन परमेश्वर, दया का ईश्वर है और वह, कुछ बहुत अजीब चीजें करता है। यह उनमें से एक था," उसने बाद में कहा।

सत्य की परख!

"और यदि मेरे लोग जो मेरे नाम के कहलाते हैं, दीन होकर प्रार्थना करें, और मेरे दर्शन के खोजी होकर अपने बुरे मार्गों से फिरें, तब मैं स्वर्ग में से सुनकर उनका पाप क्षमा करूंगा और उनके देश को चंगा कर दूंगा।" (2 इतिहास 7:14)

अंततः मिसिसिपी राज्य की जेल में टारेनट्स को दोषी ठहराया गया और तीस साल की सजा सुनाई गई। वह जेल अमेरिका की सबसे खराब जेलों में से एक थी। हालांकि, सुधार की तलाश करने के बजाय, वह एक बात को ध्यान में रखते हुए वहाँ गया: जो वह कर रहा था उसे फिर से कैसे शुरू किया जाए। लगभग छह महीनों की अवधि में, उन्होंने वहाँ से भागने की योजना बनाई। अन्य कैदियों को शामिल किया, अपने कुछ पूर्व परिचितों के साथ फिर से जुड़ गया, और एक सफल जेल से फरार हो गया।

कुछ दिनों के बाद, टारेनट्स एक भारी जंगली क्षेत्र में एक परित्यक्त खेत पर दूसरों के साथ छिप रहे थे। उस जगह से गुजरती एक पुरानी कच्ची सड़क पर बारी-बारी लेकर वे पहरा दे रहे थे। उन्होंने खुद को बहुत चालाक समझा कि भागने में सफल हो गए। हालाँकि, जैसे बाइबल कहती है, "विनाश से पहले घमण्ड आता है, और ठोकर खाने से पहले गर्व होता है।" उस दिन, टारेनट्स की बारी थी। वह नीगरानी करते खड़ा था। एक और समूह के आने पर उसे पेहरे के दौरे से जल्दी छुट्टी मिल गयी। केवल अपने शिविर में लौटने के तुरंत बाद, जहाँ से वह अभी-अभी आया था, गोलियों की एक अविश्वसनीय बौछार सुनाई दी। मिसिसिपी में एफ.बी.आई के प्रभारी, विशेष एजेंट की ऐलानी में देर नहीं लगी, जब उन्होंने कहा, "आपका साथी मर चुका है और मैं आपको आत्मसमर्पण करने का एक मौका दे रहा हूं।"

टारेनट्स फिर जेल में जा पहुँचा। इस बार छोटा सा 6x9 फुट का सेल था जो वहाँ सबसे सुरक्षित जगह थी। प्रति सप्ताह केवल दो दफा पंद्रह मिनट के नहाने के समय के अलावा, वह काफी हद तक अकेले सेल तक ही सीमित था। और वह अपना अधिकांश समय पढ़ने में बिताता था। पहले तो उसने विभिन्न नस्लवादी, यहूदी-विरोधी और नव-फासीवादी राजनीतिक सिद्धांतों को पढ़ा, जिसमें उसकी दिलचस्पी थी। लेकिन थोड़ी देर बाद उसने शास्त्रीय दर्शन, प्लेटो, अरस्टॉटिल और स्टॉइक्स जैसे लेखकों को पढ़ना शुरू किया। उसके बाद, कुछ विचारों ने उनके दिमाग में आसवन कर दिया। पहला यह था कि मनुष्य को सत्य की तलाश करने की आवश्यकता है। सच्चाई, पसंदगी और इच्छाओं से अलग, स्वतंत्र रूप से मौजूद है; वह एक विशिष्ठ वास्तविकता है जिसे खोजा जा सकता है और इसकी तलाश की जानी चाहिए। दूसरा, सुकरात ने कहा था कि अपरिचित जीवन, जीने लायक नहीं है। इसने टारेनट्स को एक अलग रास्ते पर लाकर खड़ा किया, जो सत्य की तलाश करने और उनके जीवन की जांच करने का था।

इस तरह के पढ़ने के लगभग एक साल बाद, टारेनट्स ने बाइबल में सुसमाचारों को पढ़ने के लिए सोचा था। वह ऐसा करने लगा, और कुछ हो गया। जैसे उसने सुसमाचारों को पढ़ना शुरू किया, जिसमें यीशु और उसके जीवन की बात की गई थी, उसकी आँखें खुल गईं। वह उन चीजों को देखने लगा जो उसने बाइबल के संपर्क में, पहले नहीं देखी थीं। एक वचन था जिसने उससे शक्तिशाली रूप से बात की थी: "यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त कर ले और अपने प्राण को खो दे तो उसे क्या लाभ?" टारेनट्स यह देखने लगा कि वह यही कर रहा था; उसकी राजनीतिक विचारधारा- अपने जीवन में एक मूर्ती बनी थी। वही उसके जीवन का एकीकृत केंद्र और वही सब कुछ उसका अस्तित्व था। उसे एहसास होने लगा कि वह जो कर रहा था वह गलत था ,वह पूरी जिंदगी पाप करता आ रहा था। वह और उसके जैसे लोग ईश्वर और देश के लिए लड़ रहे हैं - यह नहीं कि बमबारी गलत थी, बल्कि बाकी सभी लोग गलत हैं।- इसी कथन का उसने विश्वास किया था। वह सब अब उड़ गया। वह देखने लगा कि वह परमेश्वर के विरूद्ध पाप कर रहा था। सारी नफरत और हिंसा, एक बड़े जीवन का हिस्सा था जो अपने ऊपर, यानी स्वयं पर केन्द्रित था।

टारेनट्स अपने पाप और क्षमा की आवश्यकता को देखने लगा तो तब चीजें बहुत अलग दिखने लगीं। उसने कुछ बातें दिल से सीखीं। "परमेश्वर ने दुनिया से बहुत प्यार किया," वह बाद में कहता, "पतित, गड़बड़, तबाह, मुझ जैसे अजीब और पागल लोगों से भरी इस दुनिया से- परमेश्वर ने ऐसी जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर सचमुच विश्वास करे— इस प्रकार का उथला, आम तौर पर, नाममात्र, बौद्धिक आश्वासन नहीं, लेकिन यीशु मसीह पर एक सच्चा विश्वास और प्रतिबद्धता- वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।" वह यह संदेश था जो टारेनट्स को चाहिए था। एक दिन, वह अपने घुटनों पर बैठ गया और उसने यीशु से अपने जीवन को संभालने के लिए कहा, अपने पापों के लिए उसे माफ करने, और वह जो चाहता है, वह करने की माँग की।

टारेनट्स में कुछ बदलाव आया। उसकी इच्छाएँ अलग होने लगीं। उसके हृदय का पुनर्मिलन हुआ। यह नियमों की सूची- क्या करना या न करना चाहिए, उस के बारे में नहीं था। लेकिन अपने अन्दर एक बदलाव के बारे में था- परमेश्वर को जानने और अलग तरह से रहने की; परमेश्वर को खुश करने के लिए, अलग जीवन जीने की इच्छा। वह बाइबल पढ़ना और प्रार्थना करना चाहता था; कभी-कभी वह दिन में घंटों तक बाइबल पढ़ता, फिर भी तृप्त न हो पाता क्योंकि वह उसके लिए एक नई किताब की तरह थी। बाइबल, एक जीवित वचन और उससे बात कर रहा था। जब उसने परमेश्वर के वचन को पढ़ना जारी रखा, तो उसने अपने जीवन में ऐसे क्षेत्रों को देखना शुरू किया जो गड़बड़ थे और उन्हें बदलने की जरूरत थी। वह 1970 की गर्मियों में था। परमेश्वर, उसके जीवन की गंदगी और मलबे को दूर करके, उसे बदलने के लिए एक काम शुरू कर दिया था। उन्होंने उसे घृणा, नस्लवाद और हिंसक आवेगों से मुक्ति दिलाई और उसे लोगों के लिए प्यार दिया।

परमेश्वर ने केवल आठ वर्षों के बाद टारेनट्स को रिहा होने के लिए एक मार्ग बनाया, हालांकि उसकी सजा पैंतीस साल हो गई थी। जेल के वार्डन ने उसका साक्षात्कार लिया, उन्होंने उसकी कहानी सुनी और उन्हें अपने जीवन से कुछ बनाने का मौका दिया। वह वार्डन, भीड़भाड़ वाली जेल की आबादी को कम करने की कोशिश कर रहे थे। वाशिंगटन डी.सी में जाने से पहले टारेनट्स मिसिसिपी विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के लिए चले गए और नस्लीय सुलह के मुद्दों को संबोधित करने में शामिल हो गए।

"अनुग्रह ही से तम्हारा उद्धार हुआ है।..." उस अनुग्रह ने ही टारेनट्स जो पूर्व एक अमेरिकी श्वेत वर्चस्ववादी घृणा समूह का क्लान्समैन था, उसको विश्वास, परिवर्तन और प्रेम के मार्ग पर स्थापित किया। 2 कुरिन्थियों 5:17: "यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई। देखो, नई बातें आ गई हैं।"

—यह एक बोली गई गवाही पर आधारित है। आगे पढ़ने के लिए, 'थॉमस ए. टारेनट्स, कनज्यूम्ड बै हेट, रिड़ीम्ड बाय लव' (थॉमस नेल्सन, 2019) देखें।